अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2020) दिनांक : 17.12.2020

समय सीमा : 3 घंटा द्वितीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

तेरापंथ का इतिहास–70

प्र. 1 किन्हीं सत्तरह प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 17

आचार्य रायचन्द जी (किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर दें)

(क) आचार्य भारमल जी ने मुझे रायचन्द को युवाचार्य पद कब व कहां दिया?

(ख) आचार्य रायचन्द जी की दीक्षा के पश्चात आचार्य भिक्षु के समय में कितनी दिक्षाएं हुई?

(ग) आचार्य रायचन्द ने आचार्य बनने के बाद प्रथम चातुर्मास कहां किया?

(घ) आचार्य रायचन्द जी की माता ने कितने वर्षों तक संयम साधना की?

(ङ) साधु-साध्वियां एक साथ विहार न करें। इस मर्यादा को पुनः लागू कब व किसने किया?

आचार्य जीतमल जी (किन्हीं चौदह प्रश्नों का उत्तर दें)

(च) 'धक्के जाओ' वाली घटना मुनि श्री जीतमल जी के साथ कब व कहां घटित हुई?

(छ) बीकानेर में मुनि श्री जीतमल जी के विराजने के लिए स्थान किसने दिया?

(ज) बालक जीतमल ने नौ वर्ष की अवस्था में कौन-कौन से थोकड़े सीखे?

(झ) जयाचार्य ने 'हेम भगवती' को कब व कितने पृष्ठों में पूर्ण किया?

(ञ) 'अधिक छूटे संघ में पारस्परिक भेद खड़ा कर सकती है' ऋषिराय से यह निवेदन कब, किसने व कहां किया?

(ट) जयाचार्य पदारोहण के अवसर मुनि रामजी ने कौन सी तपस्या ग्रहण की?

(ठ) पुस्तकों के सांधिकीकरण का सूत्रपात कब व कहां से हुआ?

(ड) मुनि सतीदास जी की दीक्षा कब, कहां व किसके द्वारा सम्पादित हुई?

(ढ) जैन साधना पद्धति का मूल तत्त्व क्या है?

(ण) तेरापंथ एवं स्थानकवासी सम्प्रदाय के सैद्धान्तिक मतभेदों को विश्लेषण करने वाला ग्रन्थ कौन सा है?

(त) श्रावकत्व की रक्षा के लिए जयाचार्य ने शूलों के लिए क्या नियम बनाया?

(थ) जीतमल जी के परिवार के चारों व्यक्तियों की पृथक-पृथक दीक्षा कितनी बार व कितने महीने में सम्पन्न हुई?

(द) जयाचार्य ने कामांध व्यक्तियों की मनोदशा का वर्णन करते हुए क्या कहा?

(ध) जयाचार्य युग के साधु को दान देने के पश्चात गृहस्थ को घी खरीदने के विषय में निर्णय कब, कहां हुआ?

(न) जयाचार्य द्वारा रचित 'लघुरास' में किन-किन व्यक्तियों को अविनीत व अनुशासनहीन बतलाया गया है?

(प) पहले आचार्य ऋषिराय जी के मन में युवाचार्य पद के लिए कौन से संत छाये हुए थे?

आचार्य जीतमल जी–36

प्र. 2 किन्हीं एक विषय पर 100 से 150 शब्दों में टिप्पणी लिखें– 6

(क) प्रश्नोत्तर तत्वबोध।

(ख) प्रतिबोध दान।

(ग) चुम्बकीय आकर्षण।

प्र. 3 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर विस्तार से दें– 30

(क) सिद्ध करें कि जयाचार्य एक महान साहित्यकार थे।

(ख) सिद्धकरें कि जीत मुनि ने मुनि हेमराज जी का संरक्षण प्राप्त किया उस समय उन्होंने संस्कारों का अर्जन नहीं किया अपितु उन्हें फलीभूत कर जीवन की अनेक महत्ताओं का नवोदगम भी प्राप्त किया।

(ग) जयाचार्य ने पदासीन होते ही संघ हित की दृष्टि से अनेक योजनाओं को कार्यरूप दिया, उसमें से किन्हीं तीन योजनाओं का विवेचन करें।

आचार्य रायचन्द जी–17

प्र. 4 निम्न दो प्रश्नों के दो या तीन वाक्यों में उत्तर दीजिए– 5

आचार्य रायचन्द जी (कोई दो प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) आचार्य रायचन्द जी की सत्प्रेरणा से हुए षाण्मासिक तप को संक्षिप्त में प्रस्तुत करें।

(ख) मुनि खेतसी जी से किसी ने कहा–'आप बड़े होकर भी धरती पर बैठेंगे और मुनि रायचन्द जी छोटे होकर भी बाजोट पर। यह व्यवहार कैसे शोभास्पद होगा।' तब प्रश्नकर्त्ता से मुनि खेतसीजी ने क्या कहा?

(ग) आचार्य रायचन्द जी के दीक्षित परिजनों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करें।

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 12

(क) सिद्ध करें कि ऋषिराय साधना के बड़े पक्के व्यक्ति थे।

(ख) सिद्ध करें कि थली में तेरापंथ के प्रचार का सघन प्रयास ऋषिराय के पदार्पण से हुआ?

(ग) ऋषिराय जी द्वारा उत्तराधिकारी चयन का क्या कारण बना, संक्षेप में लिखें।

प्र. 6 निम्न में से किन्हीं दो पद्यों को भावार्थ सहित लिखें– 12

(क) 'निहारा तुमको कितनी बार' गीत वाला पद्य।

(ख) 'भारीमाल गणी' गीत वाला पद्य।

(ग) 'निशदीन ध्याऊं मोद मनाऊं' गीत वाला पद्य।

(घ) 'आगम संपादन' वाला पद्य।

प्र. 7 कोई तीन पद्यों की पूर्ति करें– 9

(क) पुण्य पोरसा.....गीत सुप्यार हो।

(ख) धम्मगिरी री पुण्य.....की धुंकार हो।

(ग) जयाचार्य अनिवार्य.....भाष्यकार हो।

(घ) मानवीय मूल्यां.....गीत सुप्यार हो।

(ङ) मधवा की सी.....आर-पार हो।

प्र. 8 कोई तीन पद्य लिखें– 9

(क) 'श्मसान वास' वाला पद्य।

(ख) 'तेरापंथ स्थापना दिन' वाला पद्य।

(ग) 'रू. रू. में सांवरियो बसियो' गीत वाला पद्य।

(घ) 'थिरपाल फतेह की सूझबूझ' वाला पद्य।

(ङ) 'तीन तीर्थ' वाला पद्य।